International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 03(II), July - September, 2023, pp. 31-36

माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन

रजनी जादौन*
डॉ. श्रद्धा सिंह चौहान**

सार

प्रस्तुत अध्ययन माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन है। प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य में लिंग के आधार पर माध्यमिक स्तर के एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया गया है। शोध समस्या की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए शोधार्थी द्वारा शून्य परिकल्पना निर्मित करके वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोध विधि का प्रयोग किया गया है। वर्तमान शोध हेतु शोधार्थी ने न्यादर्श के रूप में राजस्थान के जयपुर शहर के गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट का चयन उद्देश्यपूर्ण यादृच्छिक विधि से तथा सामान्य विद्यार्थियों का चयन सरल यादृच्छिक विधि से किया गया है। मानसिक स्वास्थ्य के मापन के लिए अरुण कुमार सिंह एवं अल्पना सेन गुप्ता द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का उपयोग किया गया है। प्रदत्त के संकलन एवं परिगणनके पश्चात पूर्व निर्मित शून्य परिकल्पना अस्वीकृत पाई गई। निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के एनसीसी कैडेट तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में अंतर है।

शब्दकोशः *मानसिक स्वास्थ्य, एनसीसी कैडेट्स, शोध विधि, गैर–सरकारी विद्यालय।*

प्रस्तावना

सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता अर्जित की है। विभिन्न आविष्कार मानव की प्रगति का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। वर्तमान समय में मनुष्य अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने हेतु पूर्ण रूप से स्वयं का ध्यान वर्तमान समय पर केंद्रित किए हुए है। दैनिक जीवन में मनुष्य को इस सजगता का अभ्यास करने के लिए उसे भावनात्मक उथल–पुथल लाने वाली घटनाओं को समायोजित करना पड़ता है। आज का मानव किसी भी स्थिति में भावनात्मक नियंत्रण रखने में निपुण हो गया है। अतः तनाव को कम करने के परिणाम स्वरूप मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आधुनिक समाज में अवसाद के आंकड़ों में वृद्धि हुई है। 28 जनवरी 2023 कोकरियप्पाग्राउंड में एनसीसी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह एक ऐसा संगठन है जो युवाओं को एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार कर रहा है। एनसीसी की विभिन्न गतिविधियां युवाओं को शारीरिक व मानसिक रूप से सक्षम बनाने में सहायक है। एनसीसी का अनुशासन एवं एकता की भावना युवाओं में भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक स्वास्थ्य से अभिप्राय ऐसी व्यक्तिगत क्षमता के उपयोग से है जो व्यक्ति को विभिन्न परिस्थितियों में समान व्यवहार करने के लिए प्रेरित करती है। मानसिक स्वास्थ्य में अबोध, स्मरण, ध्यान, निरीक्षण, तर्कपूर्ण चिंतन, समस्या समाधान, चेतना आदि शक्तियों को शामिल किया जाता है।

---

* शोधार्थी, शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
** शोध निर्देशिका एवं सहायक आचार्य, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, जामडोली, जयपुर, राजस्थान।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

मंजुला, जी. 2013 ने अपने शोध कार्य के निष्कर्ष के आधार पर पाया कि हाईस्कूल के छात्र छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं है। दिव्या, टी.पी. एवं राजगोपालन 2014 ने अपने अध्ययन में पाया कि विद्यार्थी जो एनसीसी में भाग ले रहे थे उनका स्वास्थ्य अच्छा था। इन विद्यार्थियों के मध्य सकारात्मक संबंध पाया गया। बाला, चंचल 2016 ने अपने शोध कार्य के निष्कर्ष के आधार पर पाया कि शहरी तथा ग्रामीण छात्र छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा भावात्मक परिपक्वता के मध्य सार्थक अंतर नहीं है। नानवरे, राजकुमार एवं एल. पालनेत्रा 2018 अपने अध्ययन में पाया कि एनसीसी कैडेट्स सामान्य विद्यार्थियों के शीलगुणों में सार्थक अंतर है। धर्म भाषा संस्कृति मूल्य जीवन शैली तथा आदतों में विभिन्नता के उपरांत भी राष्ट्रीय एकता की भावना है। स्टेसी, ई. मैकौले हैजलेट तथा लॉरा, आर. 2022 ने अपने शोध कार्य के निष्कर्ष के आधार पर पाया कि कोरोना वायरस 19 में व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर के शहरी गैर– सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन के उद्देश्य

- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- लिंग के आधार पर माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्यमें सार्थक अंतर नहीं होता है।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्र एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा एनसीसीकैडेट तथा सामान्य छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं होता है

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

माध्यमिक स्तर

माध्यमिक शिक्षा परिषद राजस्थान तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत नौवीं तथा दसवीं के विद्यार्थी।

एनसीसी कैडेट्स

कक्षा 9 व 10 विद्यार्थी जो एनसीसी के जूनियरविंग के कैडेट्स हैं।

परिसीमन

समय सीमा को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध कार्य को निम्नांकित रूप से सीमित किया गया है–

- प्रस्तुत शोध कार्य के लिए राजस्थान के जयपुर जिला के गैर–सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को चुना गया है।
- प्रस्तुत शोध कार्य नवमी तथा दसवीं कक्षा तक ही सीमित रखा गया है।
- प्रस्तुत शोध जूनियरविंग के नौवीं तथा दसवींके कैडेट्स तक ही सीमित रखा गया है।
- अध्ययन को 14 से 18 आयु वर्गके विद्यार्थियों तक ही सीमित रखा गया है।

चर

- स्वतंत्र चर – एनसीसी कैडेट्स, सामान्य विद्यार्थी।
- आश्रित चर– मानसिक स्वास्थ्य।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्य में वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

समस्या से संबंधित प्रदत्त संकलन हेतु उद्देश्यपूर्ण यादृच्छिक विधि द्वारा 90 एनसीसी कैडेट्स तथा सरल यादृच्छिक विधि द्वारा 90 सामान्य विद्यार्थियों का चयनकिया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में डॉक्टर अरुण कुमार सिंह एवं अल्पनासेन गुप्ता द्वारा निर्मित मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

- मध्यमान
- प्रमाणिक विचलन
- टीअनुपात
- आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना 1 माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत एनसीसी कैडेट्स सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं होता है।

सारणी 1

क्र.स.	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी– मान	परिणाम
1	एनसीसी कैडेट	90	96.78	8.60	2.34	अस्वीकृत
2	सामान्य विद्यार्थी	90	92.60	8.33		

df 1.78 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर t मान=1.96

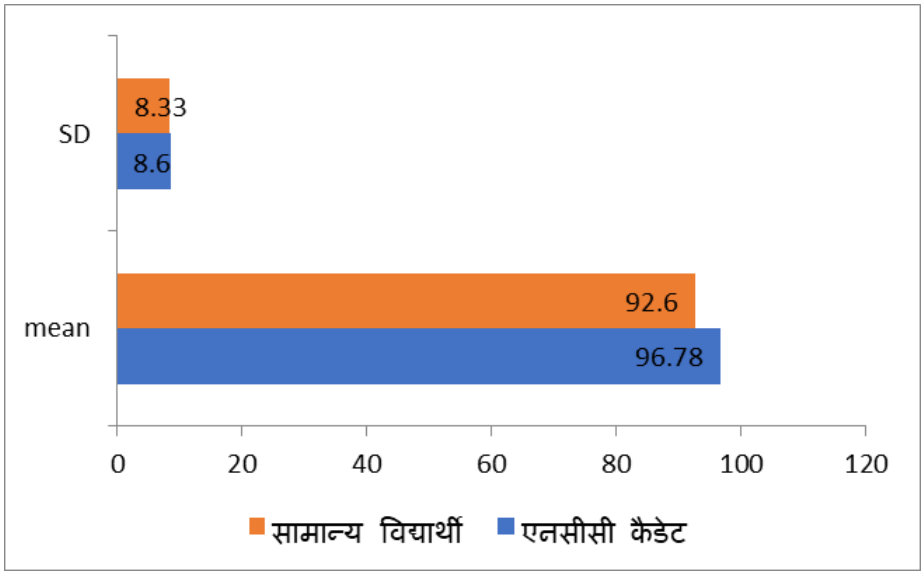

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि एनसीसी कैडेट तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से प्राप्त मध्यमान तथा प्रमाणिक विचलन के बीच टी मान 2.34 प्राप्त हुआ है जो यह प्रदर्शित करता है एनसीसी कैडेट तथा सामान्य विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर है।

शून्य परिकल्पना 2 माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्र एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर होता है।

सारणी 2

क.स.	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी– मान	परिणाम
1	छात्र एनसीसी कैडेट	45	90.52	7.92	1.17	स्वीकृत
2	सामान्य छात्र	45	92.43	7.59		

Df 88 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर t मान = 1.96

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि छात्र एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य में से प्राप्त मध्यमान व प्रामाणिक विचलन के बीच 1.17 प्राप्त हुआ जो यह प्रदर्शित करता है के शहरी छात्र एनसीसी कैडेट तथा सामान्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं है।

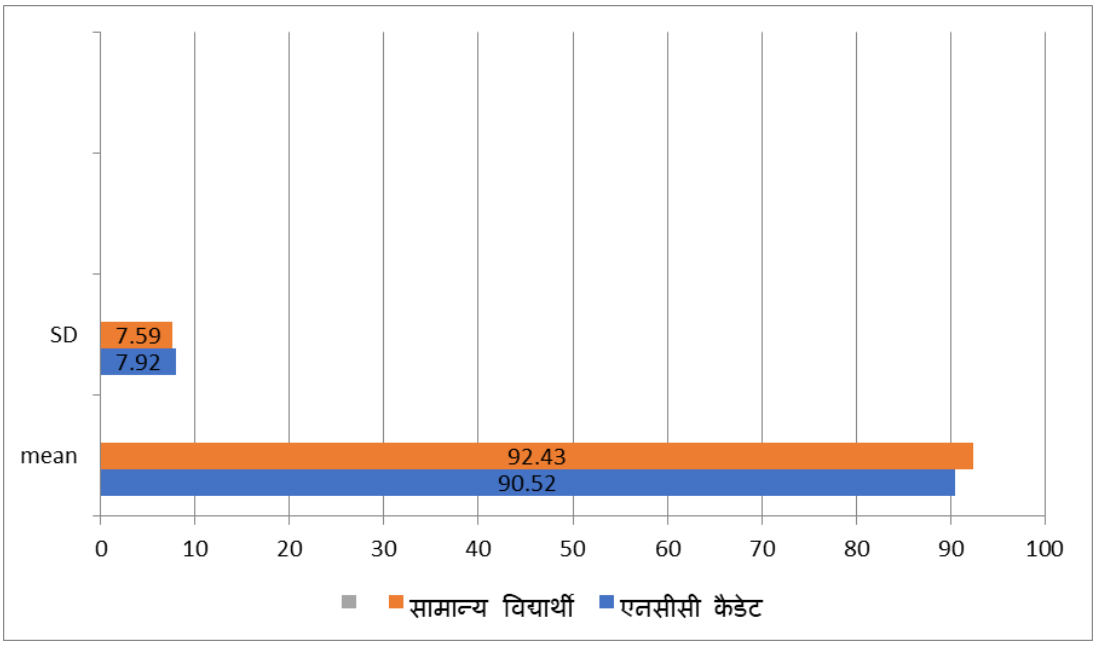

शून्य परिकल्पना 3 माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा एनसीसी कैडेट तथा सामान्य छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर होता है।

सारणी 3

क.स.	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी– मान	परिणाम
1	छात्रा एनसीसी कैडेट	45	93.70	8.80	0.74	स्वीकृत
2	सामान्य छात्राएं	45	92.40	7.89		

df 88 के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर t मान = 1.96

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि छात्रा एनसीसीकैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं की मानसिक स्वास्थ्य से प्राप्त मध्यमान व प्रामाणिक विचलन के बीच 0.74 प्राप्त हुआ जो यह प्रदर्शित करता है कि शहरी छात्रा एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं है।

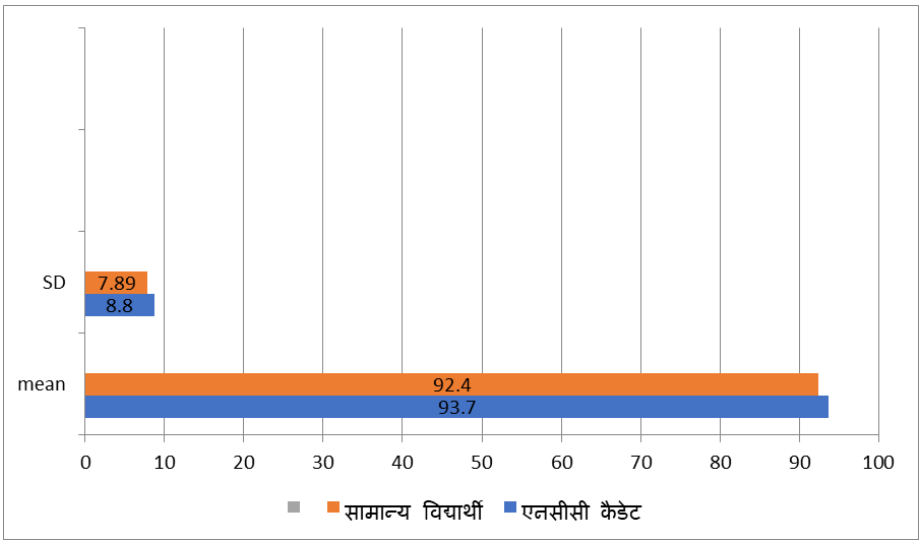

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं–

- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्यनरत एनसीसी कैडेट्स का मानसिक स्वास्थ्य सामान्य विद्यार्थियों की तुलना में अच्छा पाया गया है।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्यनरत छात्र एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं है।
- माध्यमिक स्तर के शहरी गैर–सरकारी विद्यालय में अध्यनरत छात्र एनसीसी कैडेट्स तथा सामान्य छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में सार्थक अंतर नहीं है।

सुझाव

- प्रस्तुत अध्ययन में एनसीसी कैडेट का मानसिक स्वास्थ्य सामान्य विद्यार्थियों से अच्छा पाया गया है अतः विद्यालयों में खेलकूद, अभिनय, अनुकरण, समस्या समाधान जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर सामान्य विद्यार्थियों को भी मानसिक रूप से मजबूती प्रदान करने की कोशिश करनी चाहिए।
- भविष्य में यह शोध किसी अन्य शहर में भी किया जा सकता है।
- सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न नीतियों एवं कानूनों को लागू करके बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. शर्मा, आर. ए. 2012 'शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया' आर लाल बुक डिपो, मेरठ
2. संह, अरुण कुमार 'मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां 'मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, आईएसबीएन 8120824105, 2017
3. नेशनल कैडेट कोर (इंडिया) विकीपीडिया https://en.m.wikipedia.org/wiki/National Cadet Corps (India)
4. यादव, डॉक्टर वीरेंद्र सिंह 'माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन' जनरल ऑफ एजुकेशनल एंड साइकोलॉजिकल रिसर्च, वॉल्यूम 8, नंबर 1, जनवरी 2018

5. शाक्य, पूनम 'स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन' वॉल्यूम 4, Issue 2] print ISSN 2395&6011] IJSRST 2018]v,uykbu ISSN 2395&6] https://ijsrst.com/paper/5953.pdf

6. सरकार, डॉक्टर उर्मिला एवं मार्गज, संपदा मलहर 'रोल ऑफ नेशनल कैडेट कॉर्प्स डेवलपिंग सॉफ्ट स्किल्स अमंग यूथ इन इंडिया' इंटरनेशनल जरनल आफसाइंटिफिक एंड इंजीनियरिंग रिसर्च, वॉल्यूम 6, Issue 11] ISSN &2229&5518] uoacj 2015] https://www.ijser.org

7. मंजुला, जी.'ए स्टडी ऑन मेंटल हेल्थ एंड साइंटिफिक एप्टीट्यूड का हाईस्कूल स्टूडेंट्स इन रिलेशन तो देयर अचीवमेंट इन साइंस' http://hdl.handle.net/10603/67519, 2013, शोधगंगा, https://shodhganga.inflibnet.ac.in बाला, चंचल'मेंटल हेल्थ ऑफ़ एडोलसेंट्स इन रिलेशन टू इमोशनल मेच्योरिटी एंड फैमिली एनवायरमेंट' https://hdl.handle.net/10603/160076 2016] शोधगंगा] https://shodhganga.inflibnet.ac.in

8. स्टेसी, ई. मेकॉले हैजलेट एवं लौरा, आर. शोन्नान हाउज एवं एडवर्ड, बी.डेविस आदि 'रिसोर्स लॉस एंड मेंटल हेल्थ ड्यूरिंग कोविड–19– साइकोलॉजिकल प्रोटेक्टिव फैक्टर अमन यू. एस. ओल्डर, एडल्ट्स एंड दोज विद क्रॉनिक डिजीज' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजी, वॉल्यूम 51, Issue 1, पेज नंबर 127–135, फरवरी 2022, https://do.org/10.1002/ijop.12798

9. नानवरे, राजकुमार एवं एल. पालनेत्रा 'साइकोडायनेमिक ऑफ पोटेंशियल लीडर – एस्टडी ऑफ एनसीसी कैडेट्स एंड नॉन एनसीसी स्टूडेंट' वॉल्यूम 6, Issue 1, ISSN 2320–2882, जनवरी 2018, researchgate-net

10. दिव्या, टी.पी एवं डी. राजगोपालन के. 'सेल्फ कॉन्सेप्ट इन रिलेशन टो पार्टिसिपेशन इन नेशनल कैडेट कॉर्प्स अमन आर्ट एंड साइंस कॉलेज स्टूडेंट्स अंडर कालीकट यूनिवर्सिटी' शारों जनरल ऑफ रिसर्च एंड मेथड इन एजुकेशन वॉल्यूम 4, Issue 4, जुलाई–अगस्त 2014, ISSN–2320-7388, पेज नंबर 01–04, www-i-osrjournals-org-org(pdf)

❖◆❖